

कोंकणी भास, साहित्य आनी संस्कृताय

संपादक मंडळ

श्याम वेरेंकार (निमंत्रक)

माधवी सरदेसाय

कमलाकर म्हाळशी



कोंकणी भाशा मंडळ, गोंय

KONKANI BHAS, SAHITYA ANI SANSKRUTAI
(Essays on Konkani Language, Literature & Culture)

© कोंकणी भाशा मंडळ, गोंय

पयली खेप

मार्च, २००३

अक्षरजुळणी आनी मुद्रण

सुरेश काकोडकार

ओमेगा एन्टरप्राइझेस

११५८, विद्यानगर, मडगांव, ४०३ ६०१

उजवाडावपी

कोंकणी भाशा मंडळ, गोंय

कोंकणी भवन, शंकर भांडारी मार्ग,

विद्यानगर, मडगांव, गोंय ४०३ ६०१

कवर

श्रीधर कामत बांबोळकार

बांदोडें, गोंय.

मांडावळ

भास

१. भास आनी भासविज्ञान	- डॉ. मॅथ्यु आल्मैदा	१३
२. कोंकणी ध्वनिविज्ञान आनी स्वनविज्ञान	- डॉ. मॅथ्यु आल्मैदा	२८
३. स्वनीम-विचार : भाशेचें नादांचें व्याकरण	- प्रा. माधवी सरदेसाय	३९
४. शणै गोंयबाबालें नादशास्त्र - एक वळख	- प्रा. माधवी सरदेसाय	४८
५. समाज भासविज्ञानाचे नदरेंतल्यान कोंकणीचो अभ्यास	- डॉ. प्रताप नायक	५५
६. कोंकणी : इतिहासीक भाशाशास्त्राच्या संदर्भांत	- प्रा. माधवी सरदेसाय	६७
७. लिपयेचो प्रस्न	- डॉ. प्रताप नायक	७८
८. कोंकणी भास आनी लिपी	- यशवंत सदानंद पालेकार	८५
९. कोंकणी परिभाषेची निर्मणी	- प्रा. से. मा. बोर्जिस	९९
१०. कोंकणीचेर हेर भासांचो प्रभाव	- डॉ. ओलिव्हिन्यु गोमिश	१०५
११. कोंकणी शब्दकोश आनी व्याकरणां	- फेलीस्यु कार्दोज	१११
१२. कोंकणी व्याकरणाचीं मुखेल आंगां	- प्रा. माधवी सरदेसाय	१२१
१३. कोंकणीची व्याकरणी बांदावळ	- प्रा. सुरेश जयवंत बोरकार	१३३
१४. कोंकणी वाक्य विन्यास	- प्रा. सुरेश जयवंत बोरकार	१४०
१५. भाशीक कसबांचीं चार सुत्रां	- प्रा. सुमंत केळेकार	१५६

साहित्य

- | | | |
|--|-------------------------------|-----|
| १. कोंकणी भास आनी साहित्य
हाचो इतिहास | - डॉ. मनोहरराय सरदेसाय | १८१ |
| २. पोरणी कोंकणी सरस्पत - कालचें वैभव
- आयची फायची स्फूर्त | - डॉ. ओलिव्हिन्यु गोमिश | १९१ |
| ३. ललीत साहित्याच्या रंगरूपाची
एक पारख | - चंद्रकांत केणी | २०२ |
| ४. शणै गोंयबाबाच्या लेखनाचीं
खाशेलीं आंगां | - प्रा. राजय र. पवार | २०९ |
| ५. कथा - एक नियाळ | - दामोदर मावजो | २२४ |
| ६. संवसारीक कथा वाङ्मयाच्या संदर्भांत
कोंकणी कांदबरी | - डॉ. किरण बुडकुले | २३१ |
| ७. कोंकणी कवितेचे अंतःप्रवाह | - प्रा. प्रियदर्शिनी तडकोडकार | २७२ |
| ८. नाटक : एक पारखणी | - पुंडलीक नारायण नायक | ३१७ |
| ९. कोंकणी रंगमाची | - पुंडलीक नारायण नायक | ३२८ |
| १०. गोंयचें संस्कृतीक दायज - रंगमाची | - अँड. प्रकाश थळी | ३३७ |
| ११. निबंद कसो शिकोवचो? | - दिलीप बोरकार | ३४५ |
| १२. कोंकणी समिक्षा-बरपांतली
ललीत साहित्याची पारखणी | - डॉ. हरिश्चंद्र नागवेंकार | ३५१ |
| १३. कोंकणी नेमाळीं - एक इतिहासीक
नियाळ | - नागेश करमली | ३६३ |

संस्कृताय

१. मानवी संस्कृताय - एक नियाळ	- डॉ. तानाजी हळर्णकार	३७७
२. गोंयची संस्कृती	- रवीन्द्र केळेकार	३८९
३. गोंयचो राजकी इतिहास, भुगोल, सैंब हांचो गोंयचे समाज-जिणेचेर जाल्लो असर	- डॉ. ओलिव्हिन्यु गोमिश	३९९
४. गोंयची समाज बांदावळ : क्रिस्तांव उपसमाज - समाजीक जीण	- डॉ. ओलिव्हिन्यु गोमिश	४०९
५. गोंयचो मुसलमान समाज - समाजीक जीण	- प्रा. जी. एम्. ए. शेख	४१९
६. गोंयची हिंदु संस्कृति	- चंद्रकांत केणी	४३०
७. संक्रमण काळांतले प्रस्न - वाडटी लोकसंख्या, शारीकरण	- प्रा. माधव कामत	४३६
८. गोंयचे अर्थवेवस्थेचो समाज-जिणेचेर जाल्लो असर	- डॉ. ओलिव्हिन्यु गोमिश	४४६
९. गोंयचें सांस्कृतिक दायज - वास्तु शिल्प आनी चित्रकला	- श्रीधर कामत बांबोळकार	४५३
१०. भाशेक संस्कृती आनी संस्कृतीक भास लागता व्हय?	- कमलाकर दत्ताराम म्हाळशी	४७२
११. लोकवेदाचो प्रत्यक्ष वावर	- जयंती नायक	४९९
१२. कोंकणी लोकवेद	- प्रा. श्याम वेरेंकार	५१०

परिशिष्ट

शुद्धलेखनाचे नेम

- दामोदर घाणेकार

. ५१७